अव्यवस्थाओं पर सवालिया निशान खड़े करती निष्पक्ष,निर्भीक खबरों का दैनिक संकलन

Daily NEWS ALERT

खबरों पर सरकार का पक्ष जानने के लिए लॉगिन करें:-
www.jawabdosarkar.com

जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

2020/dna/jpr/01 जयपुर संस्करण E-News-Digest, Issued in Public Interest शुक्रवार ,24 अप्रैल 2020

एसएमएस में बुजुर्ग की मौत; गांव में 300 लोगों की मौजूदगी में दाह संस्कार, बाद में रिपोर्ट पॉजिटिव आई

यहां मिले पॉजिटिव

सबसे ज्यादा **10** रामगंज (फूटा खुर्रा, चार दरवाजा और तोपखाना), **3** शास्त्रीनगर, **1** एमडी रोड, अब तक कुल **740** मामले आ चुके

हैल्थ रिपोर्टर | जयपुर

एसएमएस अस्पताल में स्टाफ की परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रहीं। सर्जिकल आईसीयू में भर्ती एक बुजुर्ग की मौत के बाद गुरुवार को कोरोना की पुष्टि हुई है। जमवारामगढ़ के 75 वर्षीय बुजुर्ग को पेट दर्द की शिकायत के बाद 13 अप्रैल को भर्ती कराया गया था। अस्पताल प्रशासन का दावा है कि कोरोना जांच निगेटिव आने के बाद ऑपरेशन किया गया। इसके बाद 20 अप्रैल को फिर से उनकी जांच कराई गई। 22 अप्रैल को बुजुर्ग की मौत हो गई। अस्पताल अधीक्षक डॉ. डीएस मीणा ने बताया कि पहले बुजुर्ग की रिपोर्ट निगेटिव आई। 23 अप्रैल को मौत के बाद दोबारा सैंपल लिया गया लेकिन रिपोर्ट आने से पहले ही परिजन शव ले गए। हालांकि अस्पताल ने शव प्रोटोकॉल के तहत डबल लेयर शीट पर लपेटकर प्रशासन को सुपुर्द किया गया है। एहतियात के तौर पर आईसीयू के पूरे स्टाफ की सैंपलिंग और क्वारेंटाइन करने के निर्देश दिए गए हैं।

691 सैंपल लिए गए गुरुवार को दिनभर

जयपुर शहर के लिए थोड़ी राहत की बात है कि गुरुवार को 15 केस सामने आए, जो रोजाना के मुकाबले काफी कम हैं। इनमें से 10 रामगंज (फूटा खुर्रा, चार दरवाजा और तोपखाना), 3 शास्त्री नगर, 1-1 एमडी रोड और मानसरोवर से हैं। जयपुर में कुल 740 (इटली दंपती शामिल नहीं) मामले सामने आ चुके हैं।

सच क्या? डॉक्टर बोले- सर्जरी से पहले रिपोर्ट निगेटिव थी; सवाल- अब पॉजिटिव कैसे?

ग्रामीणों का दावा; 25 किमी से 12 गांवों के 300 लोग पहुंचे अंत्येष्टि में, प्रशासन बोला; 20 ही आए

- **जमवारामगढ़ उपखंड के ग्राम पंचायत बिरासना के रामनगर गांव के लोगों का दावा है कि कोरोना संक्रमित बुजुर्ग के दाह संस्कार में एक दर्जन से अधिक गांवों से लगभग 300 लोग हुए थे।**
- प्रशासन ने गांव की सीमाओं को सील कर गांव को सेनिटाइज किया। मृतक के परिवार के 30 लोगों को क्वारेंटाइन के लिए पूर्णिमा कॉलेज, सीतापुरा भेजा गया।
- **आसपास के लोगों को होम-आइसोलेशन में रहने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन पूरे विधानसभा क्षेत्र में लाउड-स्पीकर की मदद से संक्रमित के दाह संस्कार में शामिल होने वाले लोगों की खोज में जुटा है।**
- मृतक के गांव से 25 किमी दूर कुशलपुरा से दो व लालवास से तीन लोगों के दाह संस्कार में शामिल होने की पुष्टि हुई है। थली, डगोता बस्सी, नांगल बेला सहित एक दर्जन गांवों से लोग यहां आए बताए जा रहे हैं।
- **एसपी ग्रामीण शंकरदत्त शर्मा व एसडीएम विश्वामित्र मीणा ने संक्रमित के अंत्येष्टि में 20 लोग शामिल होने का दावा किया है।**

जमवारामगढ़/आंधी. जांच के लिए पहुंची मेडिकल टीम।

एसएमएस अस्पताल में सर्जरी के लिए अब अलग से ऑपरेशन थिएटर बनाया

जयपुर | एसएमएस अस्पताल में सर्जन, एनेस्थीसिया विभाग के डॉक्टर्स और अन्य स्टाफ के सर्जरी के दौरान कोरोना पॉजिटिव आने के बाद नए ऑपरेशन थिएटर और सर्जरी के बाद इन मरीजों को रखने के लिए भी अलग से वार्ड की व्यवस्था कर दी गई है। अब किसी भी कोरोना संदिग्ध या पॉजिटिव केस की सर्जरी करने के लिए इन थिएटर का इस्तेमाल किया जाएगा। मालूम हो कि एसएमएस अस्पताल में पिछले चार दिन में 15 से अधिक स्टाफ पॉजिटिव आ चुका है। इनमें रेजीडेंट, डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टाफ, रेडियोग्राफर, वार्ड बॉय से लेकर मरीजों को ले जाने वाले ट्रॉलीमैन तक शामिल हैं। ऑपरेशन के दौरान इनके संक्रमित होने से अन्य स्टाफ को भी खतरा हो गया है। मामले में अस्पताल अधीक्षक डॉ. डीएस मीणा ने बताया कि सर्जरी के दौरान संक्रमण फैलने से यह निर्णय लिया गया है।

4315 सैंपल हैं बाकी, 14,347 सैंपलों की हो चुकी जांच

5.15% संक्रमण दर, इस हिसाब से 222 केस और पॉजिटिव हो सकते हैं

कोरोना लॉकडाउन

5 थाना इलाकों में बढ़ाया कर्फ्यू

जयपुर | कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण पूरा देश लॉकडाउन है। कोरोना पॉजिटिव मिलने के कारण पांच थाना इलाके में कोरोना कर्फ्यू लगाया गया है। कोरोना के कारण कमिश्नरेट के 28 थाना इलाके में कर्फ्यू चल रहा है। बुधवार को पॉजिटिव मिलने के कारण **आमेर, खो नागोरियान, मालपुरा गेट, ट्रांसपोर्ट नगर व प्रताप नगर** इलाके में चिह्नित एरिया में कर्फ्यू लगा दिया गया।

- 251 वाहन जब्त किए गए गुरुवार को लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर।
- 6 लोग गिरफ्तार किए गए धारा 144 का उल्लंघन करने पर।
- 10 प्रकरण दर्ज किए गए आपदा प्रबंधन अधिनियम और राजस्थान एपिडेमिक डिजीज एक्ट के तहत।
- लॉकडाउन के उल्लंघन करने पर जयपुर पुलिस ने अब तक 13608 वाहन जब्त किए हैं।
- धारा 144 के उल्लंघन में 433 लोग गिरफ्तार हो चुके अब तक। आपदा प्रबंधन और राजस्थान एपिडेमिक डिजीज एक्ट के 126 मामले दर्ज।

खबर संख्या:-1	संबन्धित समाचार पत्र:-दैनिक भास्कर
जिम्मेदार विभाग:-जयपुर,जिला प्रशासन,जयपुर ग्रामीण पुलिस	संबन्धित मामला:-धारा 144 का उल्लंघन,लोक डाउन के नियमों की अवहेलना

विधायक कोष से पैसा देने में कांग्रेसी विधायक आगे, वहां राशन भी बंटा अधिक

विधायक कोष के हिसाब से बंट रहा राशन

पत्रिका
ग्राउंड रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. राजधानी में जरूरतमंदों की संख्या के बजाए विधायक कोष से आए पैसे के हिसाब से राशन सामग्री बांटी जा रही है। जिस विधायक ने जनता के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कोष (विधायक कोष) से जितनी अधिक राशि सीएम रिलीफ फंड में दी, उतने ही अधिक राशन किट उस विधानसभा की जनता को मिले। जिन विधायकों ने विधायक कोष खर्च करने में भी कंजूसी की, वहां केवल आपदा राहत कोष से ही राशन किट बांटे जा रहे हैं। विधानसभावार बात करें तो जयपुर में जनसंख्या के हिसाब से सबसे बड़ी विधानसभा सांगानेर व विद्याधर नगर है, वहीं सबसे छोटी विधानसभा किशनपोल है। जबकि सर्वाधिक राशन किट किशनपोल में दिए गए हैं।

किशनपोल के कांग्रेस विधायक अमीन कागजी ने एक करोड़ रुपए सीएम कोष में दिए हैं। जबकि विद्याधर नगर के भाजपा विधायक नरपत सिंह राजवी ने केवल एक लाख रुपए दिए हैं, वह भी मास्क व सेनेटाइजर के लिए। ऐसे में सबसे कम राशन किट भी विद्याधर नगर में ही बांटे गए हैं। विधायक कोष की राशि सीएम सहायता कोष में देने वालों में कांग्रेसी विधायक आगे रहे हैं। कांग्रेसी विधायक प्रतापसिंह खाचरियावास, महेश जोशी, रफीक खान, अमीन कागजी ने एक करोड़ से अधिक राशि दी है, जबकि लालचंद कटारिया व गंगादेवी इसमें पीछे रहे हैं। वहीं भाजपा विधायकों में सर्वाधिक राशि सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी ने 35 लाख रुपए सीएम सहायता कोष में दी है।

रामगंज में राशन सामग्री वितरित करते हुए।

विधायकों ने सीएमआर कोविड-19 फंड में दी राशि

विधायक	विस क्षेत्र	पार्टी	राशि
प्रतापसिंह खाचरियावास	सिविल लाइंस	कांग्रेस	1.5 करोड
महेश जोशी	हवामहल	कांग्रेस	1.11 करोड
अमीन कागजी	किशनपोल	कांग्रेस	1 करोड
रफीक खान	आदर्श नगर	कांग्रेस	1 करोड
गंगादेवी	बगरू	कांग्रेस	35 लाख
अशोक लाहोटी	सांगानेर	भाजपा	35 लाख
लालचंद कटारिया	झोटवाड़ा	कांग्रेस	25 लाख

स्वच्छता के लिए : जिले के सभी 19 विधायकों ने एमएलए लेड से एक-एक लाख रुपए मास्क व सेनेटाइजर खरीदने के लिए दिए। जिनसे हर विधानसभा क्षेत्र के लिए 56,570 मास्क व 39,500 सेनेटाइजर खरीदे गए।

विधानसभावार, निगम क्षेत्र में यों बंटे राशन पैकेट

विधानसभा	पैकेट	विधानसभा	पैकेट
आमेर (आमेर विस में नगर निगम के केवल चार ही वार्ड हैं, शेष हिस्सा ग्रामीण क्षेत्र में है)	2,248	हवामहल	19,198
सिविल लाइंस	15,112	मानसरोवर जोन	9,000
किशनपोल (हॉटस्पॉट के कारण 8 हजार घरों में 16 हजार पैकेट एक साथ दिए गए)	27,378	आदर्श नगर	17,605
		सांगानेर	6,360
		विद्याधर नगर	5,197
		मालवीय नगर	7,256
		बगरू	11,000
		झोटवाड़ा	7,122
		कुल	1,18,476

उपकरण खरीदने के लिए इन्होंने दी राशि

विधायक	विस क्षेत्र	पार्टी	राशि
मालवीय नगर	कालीचरण सराफ	भाजपा	5 लाख
बगरू	गंगादेवी	कांग्रेस	2 लाख
आमेर	सतीश पूनिया	भाजपा	2.97 लाख
सांगानेर	अशोक लाहोटी		1.50 लाख
आदर्श नगर	रफीक खान		5 लाख

इस राशि में से सीएमएचओ प्रथम को 20.07 लाख, सीएमएचओ द्वितीय को 12 लाख, आरयूएचएस को पांच लाख व एसएमएस अस्पताल को 1.50 लाख रुपए की राशि उपकरण क्रय करने लिए हस्तांतरित की गई।

शहर के लिए मले 10.28 करोड़, 4 करोड़ खर्च

मुख्यमंत्री रिलीफ फंड कोविड-19 के तहत शहर को अभी तक 10.28 करोड़ रुपए मिल चुके हैं। जिसमें से 4 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं जबकि 6 करोड़ बाकी हैं। इसमें से एमएलए लेड में 9.64 करोड़ आवंटित किए गए हैं, इसमें से 3.91 करोड़ खर्च कर चुके हैं। वहीं दानदाताओं से करीब 4 लाख रुपए मिले हैं और अनटाइड फंड से 60 लाख रुपए मिले हैं, जिसमें से 8.87 लाख रुपए खर्च हुए हैं।

हर क्षेत्र में 15% आबादी जरूरतमंद

राशन किट बांटे जाने में भले ही असमानता नजर आ रही हो, लेकिन हकीकत यह है कि हर विधानसभा क्षेत्र में जरूरतमंद हैं। हर विधानसभा क्षेत्र में कच्ची बस्तियां हैं। मोटे अनुमान के तौर पर हर विस क्षेत्र में 15 फीसदी आबादी गरीब व जरूरतमंद है, इन्हें लॉकडाउन के दौरान राशन की आवश्यकता है। प्रशासन विधायक कोष के अनुपात में ही राशन किट बांट रहा है। इससे जरूरतमंद लोग परेशानी में हैं। जहां विधायक ने सुध नहीं ली, वहां सरकार ने भी पूरी मदद नहीं की।

खबर संख्या:-2

संबन्धित समाचार पत्र:-राजस्थान पत्रिका

जिम्मेदार विभाग:-जयपुर जिला प्रशासन

संबन्धित मामला:-नागरिकों से भेदभाव,मानवाधिकार हनन,लापरवाही

संपादकीय:-किसी के बाप का पैसा है क्या?

बड़े शर्म की बात है कि राज्य कि राजधानी जयपुर मे पीड़ितों के साथ भेदभाव किया जा रहा है|एक तरफ सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक अपनी मनमानी करते नहीं थक रहे है दूसरी और स्थानीय प्रशासन इन दबंगों के हाथों कि कठपुतलियाँ बना हुआ है|जयपुर की सबसे बड़ी सांगानेर विधानसभा क्षेत्र मे सबसे कम और सबसे छोटी किशनपोल विधानसभा क्षेत्र मे सबसे अधिक राहत सामग्रियाँ बांटी गयी है|अन्य विधायक विधायक कोष से पैसा देने मे ऐसी कंजूसी कर रहे है जैसे कि यह उनके बाप का पैसा हो|

पता:-S1,झारखंड अपार्टमेंट,सगत सिंह मोड,जनरल सगत सिंह मार्ग,वैशालीनगर,302012 मोबाइल:-9828346151